5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए: (10+10=20)

(क) 'उसने कहा था' कहानी के शीर्षक की सार्थकता।

(ख) 'जुम्मन शेख' का चरित्र चित्रण।

(ग) 'तीसरी कसम' कहानी की शिल्पगत विशेषताएं।

(घ) 'सिद्धेश्वरी' की चारित्रिक विशेषताएं।

23/12/25 (M)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5392 **K**

Unique Paper Code : 2052101103

Name of the Paper : Hindi Kahani (DSC-3)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (10+10=20)

(क) "नहीं साहब, शिकार के वे मजे यहाँ कहाँ? याद है, पारसाल नकली लड़ाई के पीछे हम आप जगाधरी के जिले में शिकार करने गए थे। हाँ, हाँ, वही जब आप खोते पर सवार थे और आपका खानसामा अब्दुला रास्ते के एक मंदिर में जल चढ़ाने को रह गया था। श्बेशक, पाजी कहीं का!' सामने से वह नीलगाय निकली कि ऐसी बड़ी मैंने कभी न देखी थी। और आपकी एक

गोली कंधे में लगी और पुठे में निकली। ऐसे अफसर के साथ शिकार देखने में मजा है। क्यों साहब, शिमले से तैयार होकर उस नीलगाय का सिर आ गया था न? आपने कहा था कि रेजिमेंट की मेस में लगाएँगे।"

(ख) जो अपना मित्र हो, वह शत्रु का व्यवहार करे और गले पर छुरी फेरे, इसे समय के हेर-फेर के सिवा और क्या कहें? जिस पर पूरा भरोसा था, उसने समय पड़ने पर धोखा दिया। ऐसे ही अवसरों पर झूठे-सच्चे मित्रों की परीक्षा की जाती है। यही कलियुग की दोस्ती है। अगर लोग ऐसे कपटी-धोखेबाज न होते, तो देश में आपत्तियों को प्रकोप क्यों होता? यह हैजा-प्लेग आदि व्याधियाँ दुष्कर्मों के ही दंड है।

(ग) गजाधर बाबू चलने को तैयार बैठे थे। रेलवे क्वार्टर का वह कमरा जिसमें उन्होंने कितने वर्ष बिता दिए थे, उनका सामान हट जाने से कुरूप और नग्न लग रहा था। आँगन में रोपे पौधे भी जान-पहचान के लोग थे और जगह-जगह मिटी बिखरी हुई थी। पर पत्नी, बाल-बच्चों के साथ रहने की कल्पना में यह बिछोह एक दुर्बल लहर की तरह उठ कर विलीन हो गया।

(घ) आधे घंटे तक वहीं उसी तरह पड़ी रहने के बाद उसके जी में जी आया वह बैठ गई, आँखों को मल-मलकर इधर-उधर देखा और फिर उसकी इष्टि ओसारे में अध-टूटे खटोले पर सोए अपने छह वर्षीय लड़के प्रमोद पर जम गई। लड़का नंग-धड़ग पड़ा था।

उसके गले तथा छाती की हड्डियां साफ दिखाई देती थीं। उसके हाथ-पैर बासी ककड़ियों की तरह सूखे तथा बेजान पड़े थे और उसका पेट हँड़िया की तरह फूला हुआ था। उसका मुख खुला हुआ था और उस पर अनगिनत मक्खियाँ उड़ रही थी।

2. "'उसने कहा था' राष्ट्रीय चेतना की कहानी है।" आप इस कथन से कहां तक सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'तीसरी कसम' कहानी का प्रतिपादय लिखिए। (17)

3. कहानी के तत्वों के आधार पर 'चीफ की दावत कहानी' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'वारिस' कहानी की समीक्षा कीजिए। (17)

4. 'वापसी' कहानी की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'घुसपैठिए' कहानी की मूल संवेदना लिखिए। (16)